CHETANA
International Journal of Education (CIJE)

Peer Reviewed/Refereed Journal
ISSN : 2455-8279 (E)/2231-3613 (P)

Impact Factor
SJIF 2024 - 8.029

Prof. A.P. Sharma
Founder Editor, CIJE
(25.12.1932 - 09.01.2019)

[Conference Special-NTMAE-24]

राजकीय एवं निजी उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत अध्यापकों की अभिवृत्ति में सहसंबंध का अध्ययन

राकेश रेगर
झालावाड़ (राज.)
Email: rakeshregar07@gmail.com, Mobile-9928989485

First draft received: 14.05.2024, Reviewed: 19.05.2024, Final proof received: 18.06.2024, Accepted: 25.06.2024

सारांश

प्रस्तुत शोध में राजकीय एवं निजी उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत अध्यापकों की अभिवृत्ति में सहसंबंध का अध्ययन किया गया है। प्रस्तुत शोध अध्ययन के लिए शोधार्थी द्वारा न्यादर्श के रूप में झालावाड़ जिले के शासकीय एवं निजी उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत कुल 100 अध्यापकों (राजकीय विद्यालयों के 75 अध्यापकों एवं निजी विद्यालयों के 75 अध्यापकों) का न्यादर्श के लिये चयन किया गया। प्रदत्तों के संकलन के लिये शोधार्थी द्वारा डॉ. एस. के अहलुवालिया द्वारा निर्मित प्रमाणिक मापनी अभिवृत्ति मापनी का प्रयोग किया गया है। शोध परिणामों से प्राप्त हुआ कि राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत महिला एवं पुरूष अध्यापकों की अभिवृत्ति के मध्य उच्च ऋणात्मक सहसंबंध पाया गया। निजी उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत महिला एवं पुरूष अध्यापकों की अभिवृत्ति के मध्य सामान्य ऋणात्मक सहसंबंध पाया गया। राजकीय एवं निजी उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत अध्यापकों की अभिवृत्ति के मध्य उच्च धनात्मक सहसंबंध पाया गया।

मुख्य शब्द : *राजकीय एवं निजी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के शिक्षक, अभिवृत्ति आदि.*

प्रस्तावना

शिक्षा की प्रक्रिया में शिक्षक की अहम भूमिका होती है। बालक जो इस प्रक्रिया का महत्वपूर्ण अंग है वह भी स्वयं को शिक्षक के व्यक्तित्व के साथ अंगीकृत करना चाहता है। प्रत्येक शिक्षक का अपना एक निजी दर्शन होता है। शिक्षक द्वारा किया गया कार्य उसके आदर्शों, उद्देश्यों, मूल्यों एवं धारणाओं को परिलक्षित करता है ओर उसका प्रभाव छात्रों पर भी डालता है। इसी कारण प्रगतिशील एवं उभरते हुए भारतीय समाज में शिक्षक का महत्वपूर्ण स्थान हैं।

अभिवृत्ति किसी व्यक्ति के व्यवहार को प्रभावित करने वाला एक महत्वपूर्ण मनोवैज्ञानिक घटक है। व्यक्ति की अभिवृत्ति समय एवं परिस्थितियों के अनुरूप बदलती रहती है। यह आज किसी व्यक्ति , घटना अथवा वस्तु के अनुकूल है तो कल प्रतिकूल भी हो सकती है। अभिवृत्ति भावनाओं , विचारों एवं मूल्यांकनात्मक दृष्टिकोण की अभिवृत्ति है। यह अभिव्यक्ति किसी के प्रति आपकी भावनाओं को प्रकट करती है।

शिक्षक एक ऐसा प्राणी है जिसके चारो तरफ सम्पूर्ण शिक्षण प्रक्रिया चक्कर लगाती है भारतीय समाज में शिक्षक का स्थान सर्वश्रेष्ठ है, शिक्षक वह कड़ी है जो बैद्धिक, परम्परा एवं तकनीक कौशल को एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक पहुँचाने का कार्य करता है। विद्यार्थियों को अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाने का कार्य शिक्षक करता है। शैक्षणिक क्रियाकलाप की सफलता मुख्य रूप से शिक्षक के व्यवहार (अभिवृत्ति), योग्यता एवं उसके कार्य पर निर्भर करती है, शिक्षक की अभिवृत्ति जैसी होगी उसी प्रकार से विद्यार्थियों का विकास भी होगा क्योंकि विद्यार्थियों पर सबसे ज्यादा प्रभाव शिक्षक की अभिवृत्ति का पड़ता है।

अभिवृत्ति

अभिवृत्ति व्यक्तित्व का वह गुण है जो व्यक्ति की पसंद या नापसंद को दर्शाता है। अभिवृत्ति को आंग्ल भाषा मेंttitude कहते हैं ittitude शब्द लेटिन भाषा के शब्दंइजने शब्द से बना है इसका अर्थ है योग्यता या सुविधा। अभिवृत्ति का सम्बन्ध अनुकूल या प्रतिकूल प्रभाव से है। यह एक मानसिक दशा है जो सामाजिक व्यवहार की अभिव्यक्ति करने में विशेष भूमिका प्रस्तुत करती है। अभिवृत्ति को ही कभी–कभी मनोवृत्ति के नाम से प्रयोग किया जाता हैं। ये दोनों ही शब्द एक ही भावनात्मक गुण को प्रदर्शित करते हैं।

अभिवृत्ति व्यक्ति के मनोभावों (Feelings) अथवा विश्वासों (Believes) को इंगित करती है। ये बताती है कि व्यक्ति क्या महसूस करता है अथवा उसके पूर्व विश्वास क्या हैं? अभिवृत्ति से अभिप्रायः व्यक्ति के उस दृष्टिकोण से हैं जिसके कारण वह किन्हीं वस्तुओं, व्यक्तियों, संस्थाओं, परिस्थितियों, योजनाओं आदि के प्रति किसी विशेष प्रकार का व्यवहार करता है।

प्रत्येक व्यक्ति का अपना दृष्टिकोण होता है जिसके कारण वह प्रत्यक्षीकरण करता है। व्यक्ति की विभिन्न वस्तुओं के प्रति इस धारणा को ही अभिवृत्ति कहते हैं। दूसरे शब्दों में किसी व्यक्ति की विशिष्ट घटना के प्रति भावना तथा विश्वास को ही अभिवृत्ति कहते हैं। अभिवृत्ति व्यक्ति को उस दृष्टिकोण की ओर संकेत करती है, जिसके कारण वह किसी वस्तु परिस्थिति संस्था या व्यक्ति के प्रति विशिष्ट व्यवहार करता है।

स्कीनर के अनुसार – ''अभिवृत्ति की परिभाषा व्यक्तित्व के समूह या किसी संस्था के प्रति सामान्यीकृत चित्तवृद्धि के रूप में की जाती है।''

पूर्व शोध का अध्ययन

श्रीवास्तव, प्रतिभा (2019) ने "अध्यापकों के व्यक्तित्व तरीकों, उनकी शिक्षण व्यवसाय तथा उससे सम्बन्धित क्षेत्रों की तरफ अभिवृति का अध्ययन " विषय पर पी – एच. डी. स्तर पर अध्ययन किया और अपने अध्ययन में भोपाल शहर के 1040 महिला एवं पुरूष शिक्षकों को शामिल किया। इन्होंने अपने निष्कर्ष में पाया कि –माध्यमिक विद्यालयों के अध्यापक न तो बहिर्मुखी थे, और न ही अन्तर्मुखी। पुरूष अध्यापक महिला शिक्षकों की तुलना मे अधिक चिन्तनशील, सावधान, मानसिक रूप से स्वस्थ पाए गए। शिष्यों की तरफ अध्यापकों का नरम रूख पाया। अध्यापन अभिवृत्ति तथा अध्यापन व्यवसाय के साथ धैर्य , सावधानी , विराग जिम्मेदारी जैसे तत्वों का महत्वपूर्ण सहसम्बन्ध पाया गया।

दुआ एवं रानी, वंदना एवं सीमा (2022) ने श्री गंगानगर व हनुमानगढ जिले के उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों की शिक्षण–अभिवृत्ति एवं व्यावसायिक मूल्यों का अध्ययन शोध कार्य किया। प्रस्तुत शोध कार्य उच्च माध्यमिक विद्यालय के अध्यापकों की अध्यापन अभिवृत्ति व व्यावसायिक मूल्यों पर आधारित रहा। इस शोध के निष्कर्ष थे– राजकीय माध्यमिक विद्यालय व निजी माध्यमिक विद्यालय के अध्यापकों की अध्यापन अभिवृत्ति में सार्थक अन्तर पाया है। लेकिन पुरुष व महिला अध्यापकों के व्यावसायिक मूल्यों अलग अलग है। इस शोध कार्य के परिणाम इस तथ्य की ओर इंगित करते हैं कि तुलनात्मक दृष्टि से अधिकांश परिस्थितियों में सरकारी माध्यमिक विद्यालयों के चाहे पुरुष अध्यापक हों या महिला अध्यापिकाओं उनकी अध्यापन अभिवृत्ति व

व्यावसायिक मूल्यों निजी माध्यमिक विद्यालय के पुरुष और महिला अध्यापिकाओं के समान पायी है।

समस्या कथन

राजकीय एवं निजी उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत अध्यापकों की अभिवृत्ति में सहसंबंध का अध्ययन

शोध के उद्देश्य

1. राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत महिला एवं पुरूष अध्यापकों की अभिवृत्ति के मध्य सहसंबंध का अध्ययन करना
2. निजी उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत महिला एवं पुरूष अध्यापकों की अभिवृत्ति के मध्य सहसंबंध का अध्ययन करना
3. राजकीय एवं निजी उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत अध्यापकों की अभिवृत्ति के मध्य सहसंबंध का अध्ययन करना

परिकल्पना

1. राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत महिला एवं पुरूष अध्यापकों की अभिवृत्ति के मध्य सार्थक सहसंबंध नही है।
2. निजी उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत महिला एवं पुरूष अध्यापकों की अभिवृत्ति के मध्य सार्थक सहसंबंध नही है।
3. राजकीय एवं निजी उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत अध्यापकों की अभिवृत्ति के मध्य सार्थक सहसंबंध नही है।

न्यादर्श

प्रस्तुत शोध के लिये झालावाड़ जिले के राजकीय एवं निजी उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत कुल 150 अध्यापकों (राजकीय विद्यालयों के 75 अध्यापकों एवं निजी विद्यालयों के 75 अध्यापकों) का न्यादर्श के लिये चयन किया गया, जिसमें से 30 महिला अध्यापिकायें एवं 35 अध्यापक है।

उपकरण

प्रस्तुत शोध में प्रदत्तों के संकलन के लिये शोधार्थी द्वारा डॉ. एस. के अहलुवालिया द्वारा निर्मित प्रमाणिक मापनी अभिवृत्ति मापनी का प्रयोग किया गया है।

शोध विधि

इस शोध कार्य में सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया।

प्रद्रत्तों का संकलन

शोधार्थी द्वारा प्रदत्तों के संकलन हेतु राजकीय एवं निजी उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के प्राचार्यो से अनुमति प्राप्त कर महिला एवं पुरूष अध्यापकों से सोहार्द्रपूर्ण वातावरण में कार्य संतुष्टि मापनी भरवायी गई।

प्रदत्तों का विश्लेषण

प्रस्तुत अध्ययन में परिकल्पनाओं के परीक्षण हेतु संकलित प्रदत्तो का विश्लेषण **कालपियर्सन सहसंबंध गुणांक** द्वारा किया गया।

परिणाम एवं व्याख्या

1. राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत महिला एवं पुरूष अध्यापकों की अभिवृत्ति का अध्ययन करना

शोध अध्ययन का उददेश्य झालावाड जिले के राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत महिला एवं पुरूष अध्यापकों की अभिवृत्ति के मध्य सहसंबंध का अध्ययन करना था। प्राप्त प्रदत्तो का विश्लेषण काल पियर्सन सह सबंध गुणांक द्वारा किया गया। प्रदत्त विश्लेषण का विवरण सारिणी 01 मे दर्शाया गया है।

तालिका 01

राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत महिला एवं पुरूष अध्यापकों की अभिवृत्ति के मध्य सहसंबंध गुणांकों का सारांश

कार्य संतुष्टि	महिला शिक्षक	पुरूष शिक्षक
महिला शिक्षक	1	0.901**
Pearson Correlation (r)		0.000
Sig. (2-tailed) N	30	35
पुरूष शिक्षक	-0.901	1
Pearson Correlation	0.001	
Sig. (2-tailed) N	30	35

**** सार्थकता का स्तर 0.01**

विवेचना :– तालिका 01 से पता चलता है कि झालावाड जिले के राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत महिला एवं पुरूष अध्यापकों की अभिवृत्ति के मध्य सहसंबंध का मान –.901 है, जोकि सार्थकता के स्तर 0.01 पर सार्थक है। अतः शून्य परिकल्पना ''राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत महिला एवं पुरूष अध्यापकों की अभिवृत्ति के मध्य सार्थक सहसंबंध नही है।'' निरस्त की जाती है। निष्कर्ष स्वरूप यह कहा जा सकता है कि राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत महिला एवं पुरूष अध्यापकों की अभिवृत्ति के मध्य सार्थक रूप से ऋणात्मक सहसबंध पाया गया, जो कि उच्च ऋणात्मक सहसंबंध है। अर्थात् राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत महिला एवं पुरूष अध्यापकों की अभिवृत्ति के मध्य उच्च ऋणात्मक सहसंबंध पाया गया।

2. निजी उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत महिला एवं पुरूष अध्यापकों की अभिवृत्ति का अध्ययन करना

शोध अध्ययन का उददेश्य झालावाड जिले के निजी उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत महिला एवं पुरूष अध्यापकों की अभिवृत्ति के मध्य सहसंबंध का अध्ययन करना था। प्राप्त प्रदत्तो का विश्लेषण काल पियर्सन सह सबंध गुणांक द्वारा किया गया। प्रदत्त विश्लेषण का विवरण सारिणी 02 मे दर्शाया गया है।

तालिका 02

निजी उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत महिला एवं पुरूष अध्यापकों की अभिवृत्ति के मध्य सहसंबंध गुणांकों का सारांश

कार्य संतुष्टि	महिला शिक्षक	पुरूष शिक्षक
महिला शिक्षक	1	-0.512**
Pearson Correlation (r)		0.000
Sig. (2-tailed) N	30	35
पुरूष शिक्षक	-0.512**	1
Pearson Correlation	0.000	
Sig. (2-tailed) N	30	35

**** सार्थकता का स्तर 0.01**

विवेचना :– तालिका 02 से पता चलता है कि झालावाड जिले के निजी उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत महिला एवं पुरूष अध्यापकों की अभिवृत्ति के मध्य सहसंबंध का मान –.512 है, जोकि सार्थकता के स्तर 0.01 पर सार्थक है। अतः शून्य परिकल्पना ''निजी उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत महिला एवं पुरूष अध्यापकों की अभिवृत्ति के मध्य सार्थक सहसंबंध नही है।'' निरस्त की जाती है। निष्कर्ष स्वरूप यह कहा जा सकता है कि निजी उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत महिला एवं पुरूष अध्यापकों की अभिवृत्ति के मध्य सार्थक रूप से ऋणात्मक सहसबंध पाया गया, जो कि सामान्य ऋणात्मक सहसंबंध है। अर्थात् निजी उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत महिला एवं पुरूष अध्यापकों की अभिवृत्ति के मध्य सामान्य ऋणात्मक सहसंबंध पाया गया।

3. राजकीय एवं निजी उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत अध्यापकों की अभिवृत्ति के मध्य सहसंबंध का अध्ययन करना

शोध अध्ययन का उददेश्य झालावाड जिले के राजकीय एवं निजी उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत अध्यापकों की अभिवृत्ति के मध्य सहसंबंध का अध्ययन करना। प्राप्त प्रदत्तो का विश्लेषण काल पियर्सन सह सबंध गुणांक द्वारा किया गया। प्रदत्त विश्लेषण का विवरण सारिणी 03 मे दर्शाया गया है।

तालिका 03

राजकीय एवं निजी उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत अध्यापकों की अभिवृत्ति के मध्य सहसंबंध गुणांकों का सारांश

कार्य संतुष्टि	राजकीय शिक्षक	निजी शिक्षक
महिला शिक्षक	1	0.723**
Pearson Correlation (r)		0.024
Sig. (2-tailed) N	75	75
पुरूष शिक्षक	.723**	1
Pearson Correlation	0.024	
Sig. (2-tailed) N	75	75

**** सार्थकता का स्तर 0.01**

विवेचना :– तालिका 03 से पता चलता है कि झालावाड जिले के राजकीय एवं निजी उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत अध्यापकों की अभिवृत्ति के मध्य सहसंबंध का मान .723 है, जोकि सार्थकता के स्तर 0.01 पर सार्थक है। अतः शून्य परिकल्पना ''राजकीय एवं निजी उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत अध्यापकों की अभिवृत्ति के मध्य सार्थक सहसंबंध नही है।'' निरस्त की जाती है। निष्कर्ष स्वरूप यह कहा जा सकता है कि राजकीय एवं निजी उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत अध्यापकों की अभिवृत्ति के मध्य सार्थक रूप से धनात्मक सहसबंध पाया गया, जो कि सामान्य धनात्मक सहसंबंध है। अर्थात् राजकीय एवं निजी उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत अध्यापकों की अभिवृत्ति के मध्य सामान्य धनात्मक सहसंबंध पाया गया।

निष्कर्ष

1. राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत महिला एवं पुरूष अध्यापकों की अभिवृत्ति के मध्य सार्थक रूप से ऋणात्मक सहसबंध पाया गया, जो कि उच्च ऋणात्मक सहसंबंध है। अर्थात् राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत महिला एवं पुरूष अध्यापकों की अभिवृत्ति के मध्य उच्च ऋणात्मक सहसंबंध पाया गया।
2. निजी उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत महिला एवं पुरूष अध्यापकों की अभिवृत्ति के मध्य सार्थक रूप से ऋणात्मक सहसबंध पाया गया, जो कि सामान्य ऋणात्मक सहसंबंध है। अर्थात् निजी उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत महिला एवं पुरूष अध्यापकों की अभिवृत्ति के मध्य सामान्य ऋणात्मक सहसंबंध पाया गया।
3. राजकीय एवं निजी उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत अध्यापकों की अभिवृत्ति के मध्य सार्थक रूप से धनात्मक सहसबंध पाया गया, जो कि उच्च धनात्मक सहसंबंध है। अर्थात् राजकीय एवं निजी उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत अध्यापकों की अभिवृत्ति के मध्य उच्च धनात्मक सहसंबंध पाया गया।

शैक्षिक निहितार्थ

किसी भी शोध कार्य की महत्ता उसके शैक्षिक निहितार्थ से प्रमाणित होती है। शोधकर्ता अपने शोध की आवश्यकताओं, उपलब्धताओं एवं कमियों का विवेचन जितनी अधिक सूक्ष्मता से करता है, वही शैक्षिक निहितार्थ की महत्ता है। वर्तमान समय में जबकि शिक्षा, शिक्षार्थी केन्द्रित हो गयी है, यह आवश्यकता अनुभव की गयी कि शिक्षक को कार्यकुशल, विषयज्ञात होने के साथ–साथ व्यवहार कुशल भी होना चाहिए। शिक्षक जितना व्यवहार कुशल होगा, उसकी कार्यकुशलता में वृद्धि होगी व शिक्षण कार्य संतुष्टि में भी वृद्धि होगी।

संदर्भ सूची

1. भारतीय आधुनिक शिक्षा, एन.सी.ई.आर.टी., न्यू देहली.
2. शुक्ला सी एस0 (2004) भारत में शिक्षा व्यवस्था का विकास, नई दिल्ली, प्रभात प्रकाशन।
3. शर्मा आर0 ए0 (1995) शैक्षिक अनुसंधान के सिद्धान्त मेरठ इण्टरनेशनल पब्लिकेशन हाउस।
4. त्रिवेदी, राहुल (2019), अध्यापकों के कार्य तनाव, कार्य व कार्य संतोष के मध्य अर्न्तसम्बन्धों को ज्ञात करना, पी0 एच0 डी0 एज्यूकेशन आगरा विश्वविद्यालय।
5. सिंह एवं कुमारी, प्रीति एवं संतोषी (2020) लिटिल अण्डमान के शैक्षणिक संस्थाओं में कार्यरत् अध्यापकों के कार्य संतुष्टि पर एक अध्ययन, पी एच0 डी0 एज्यूकेशन, बैंगलोर विश्वविद्यालय।
6. मदान, पूनम (2017) : भारत में शिक्षा व्यवस्था का विकास, अग्रवाल पब्लिकेशन, आगरा।
7. पाण्डा, अनिल कुमार (2018) : अनुसंधान विधियाँ एवं सामाजिक विज्ञानों में सांख्यिकी, साहित्य रत्नालय, कानपुर।